<u>नकदी प्रबंधन सेवाएं</u>

नकद प्रबंधन सेवाएं (सीएमएस) संग्रहणों एवं भुगतानों के प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करता है जिसके परिणामस्वरूप नकद प्रवाह में सुधार होता है तथा चलनिधि में वृद्धि होती है. सीएमएस का उद्देश्य प्रभावी चलनिधि प्रबंधन के माध्यम से ग्राहकों की लाभप्रदता में वृद्धि करना.

सीएमएस लेनदेनों के सफल एवं त्वरित प्रसंस्करण हेतु, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया से सीएमएस सॉफ्टवेयर को अद्यतन किया है जो ग्राहकों की आवश्यकतानुसार **सीएसएम उत्पाद प्रचालन** के लिए उपयुक्त है.

ग्राहकों के लिए सीएमएस का लाभ:

- प्रभावी आगम एवं भुगतान योग्य प्रबंधन परिणामस्वरूप निधियों पर प्रभावी नियंत्रण
- कार्यशील पूंजी चक्र में कटौती - इसके द्वारा ब्याज आय में वृद्धि एवं ब्याज लागत में कटौती
- केन्द्रीकृत निधि उपलब्धता के माध्यम से नकदी की प्रभावी पहुंच. भौगोलिक उपस्थिति प्राप्त भारतीय कॉरपोरेट विभिन्न अनुषंगियों से संग्रहित अधिशेष राशि के साथ कर्ज प्रति संतुलन कर अपने प्रधान कार्यालय को प्रेषित कर सकते है.
- समयबद्ध एवं प्रभावी निवेश, ट्रेजरी कार्य को एक लाभ केन्द्र के तौर पर रूपांतरित करना
- चलनिधि में वृद्धि
- विभिन्न एमआईएस रिपोर्ट, इलेक्ट्रॉनिक खाता मिलान एवं ऑन लाइन ग्राहक सेवा सूचना एवं निधियों की समयबद्ध पहुंच उपलब्ध कराती है.
- इलेक्ट्रॉनिक भुगतान, निधि अंतरण, कर्मचारी संबंधी भुगतान में सहायक जिसके द्वारा चेक जारी की संख्या में कटोती, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम पेपर कार्य में कमी एवं अधिकाधिक लेखांकन स्पष्टता.

इसप्रकार, सृजनात्मक एवं सक्रिय नगदी प्रबंधन निपटान कंपनी की लाभप्रदता एवं इसकी प्रतिस्पर्धी धार के लिए प्रभावी रूप में कार्य कर सकती है.

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया **4600** से अधिक शाखाओं के माध्यम से दूरस्थ स्थानों, अहमदाबाद, बैंगलुरू, चेन्नै, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, पुणे स्थित आठ विशेष

सीएमएस शाखाओं में निम्न लिखित सीएमएस उत्पाद प्रस्तुत करता है. सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा सीएमएस के लिए क्षेग्राबैंक की लगभग **1800** शाखाएं प्रायोजित है.

<u>संग्रह उत्पाद</u> :

1. स्थानीय चेक संग्रह (दैनिक प्रबंधन आधार पर जमा सुनिश्चित करना)
2. दूरस्थ चेक संग्रह(दैनिक प्रबंधन आधार पर जमा सुनिश्चित करना)
3. त्वरित समाशोधन 4. नकद संग्रह 5. फीस संग्रहण
6. प्रतिनिधि बैंक संग्रह 7. प्रत्यक्ष नामे अधिशेष 8. निधियों का समूहन
9. एक्सपोजर प्रबंधन 10. संग्रहण का निराकरण 11. स्वत: परिसमापन
12. भावी ऋण विश्लेषण

<u>भुगतान उत्पाद :</u>

1. डीडी आहरण (पूर्व एवं पश्च फंडिंग) 1. डीडी जारीकरण 3. मांग ड्राफ्ट का सममूल्य पर भुगतान 4. मा.वा./आ.वा. भुगतान 5. नकद भुगतान अदायगी 6. चेक लेखन 7. बल्क प्रिंटिंग

<u>इलैक्ट्रॉनिक भुगतान :</u>
1.आरटीजीएस/एनईएफटी भुगतान 2. बल्क भुगतान अनुदेश अपलोड किये जा सकते हैं. 3.भुगतान की ऑनलाइन स्थिति 4. वेतन भुगतान 5. सभी प्रकार के इलैक्ट्रॉनिक भुगतान अनुदेश एक बार में ही अपलोड हो सकते है.

<u>पोर्टल सेवा</u>: समयबद्ध एवं त्वरित प्रसंस्करण हेतु हमारे बैंक के सीएमएस सॉल्युशन में ग्राहकों के लिए प्रत्यक्ष अपलोड लेनदेन फाइलें उपलब्ध है.

अंतिम से अंतिम सॉल्युशन उपलब्ध कराने हेतु हमने **पोर्टल, डॉर स्टेप बैंकिंग सर्विस (डीएसबीएस) गारंटीकृत ऋण व्यवस्था, कोरियर प्रबंधन, प्रत्यक्ष खाता ऋण सुविधा, फंडिंग, चेक एवं नकदी संग्रहण के लिए पूलिंग एवं हब तथा स्पोक मॉडल, ईआरपी इन्टीग्रेशन, आवश्यकतानुरूप एमआईएस** व्यवस्था की है.